

# गुजवि में सोलर पावर प्लांट किया स्थापित

हिसार, 31 अक्टूबर (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक मैगा वाट की क्षमता का रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया है। प्लांट का उद्घाटन मंगलवार को मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार मनोहर लाल ने किया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व अधीक्षक अभियंता अशोक अहलावत उपस्थित

थे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सौर ऊर्जा आधारित प्लांट लगाना समय की मांग है। सौर ऊर्जा के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। केन्द्र तथा राज्य सरकारों सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। यह प्लांट पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत लाभदायक होगा। इससे प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय में 1460 टन कार्बनडाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट के लिए जो प्लेट लगाई गई है, उससे भवन में गर्मियों के मौसम में 2 से 3 डिग्री सैल्सियस तापमान भी कम होगा। साथ ही छुट्टियों के दौरान विश्वविद्यालय अतिरिक्त बिजली को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम को देने में सक्षम

होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्लांट से विश्वविद्यालय को प्रति वर्ष 12 लाख 24 हजार यूनिट बिजली मिलेगी। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से 7 रुपए 73 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदी जाती है जबकि यह बिजली विश्वविद्यालय को प्रति वर्ष 5 रुपए 37 पैसे प्रति यूनिट की दर से उपलब्ध होगी जिससे विश्वविद्यालय को प्रति वर्ष लगभग 28 लाख रुपए का फायदा होगा। विश्वविद्यालय को दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से लोड भी नहीं बढ़वाना पड़ेगा। इससे भी विश्वविद्यालय को लगभग 22 लाख रुपए के फायदे का अनुमान है। अधीक्षक अभियंता अशोक अहलावत ने बताया कि विश्वविद्यालय में कुल 11 स्थानों पर सोलर प्लांट से संबंधित उपकरण स्थापित किए गए हैं। इनमें शिक्षण खंड-



सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

1 से 48360 यूनिट, शिक्षण खंड-2 से 40300 यूनिट, शिक्षण खंड-3 से 48360 यूनिट, शिक्षण खंड-4 से 62930 यूनिट, शिक्षण खंड-5 से 57040 यूनिट, शिक्षण खंड-6 से 62000 यूनिट, शिक्षण खंड-7 से 248000 यूनिट, प्रशासनिक भवन से 48980 यूनिट, सभागार से 47120 यूनिट, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस से 144150 यूनिट तथा मैकेनिकल वर्कशॉप से 216690 यूनिट बिजली तैयार होगी। यह कार्य भारतीय सौर ऊर्जा निगम के माध्यम से कराया गया है। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित थे।

## सूचना

कक्षा 9वीं के विज्ञान का मॉडल गैस पेपर पृष्ठ V पर देखें।

प्लान्ट शुरू हिसार - 31/11/17

# हरे-भरे हरियाणा से कैसे कंक्रीट के जंगल तक आ गए हम

जागरण संवाददाता, हिसार : एक समय था जब पूरा हरियाणा हरा-भरा होता था और प्रदूषण का कहीं कोई नाम नहीं था। लेकिन पिछले 50 वर्षों में हमने जितना विकास किया है, हमारी आबो-हवा और संस्कृति उतनी ही पीछे चली गई है। कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए। पैदल चलना छूट गया और सड़कें वाहनों से अट गईं। ये सब विचार विद्यार्थियों ने केवल एक कोरे कागज पर उकेर दिए। युवा महोत्सव के दौरान हुई पेंटिंग प्रतियोगिता में अधिकांश विद्यार्थियों ने अपनी पेंटिंग के माध्यम से हरियाणा की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में हरियाणा के पिछले 50 सालों के इतिहास को दिखाया। हरियाणा स्वर्ण जयंती पेंटिंग का टॉपिक था। किसी ने हरियाणा की बढ़ती उम्र के साथ बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जताई तो किसी ने प्रदेश में भ्रूण हत्या के खिलाफ चित्रकारी दिखाई। पेंटिंग प्रतियोगिता में कुल 13 टीमों ने हिस्सा लिया।

- पेंटिंग में सिमट गया हरियाणा के 50 वर्षों का इतिहास
- युवा महोत्सव में युवाओं ने पेंटिंग में उतारा अपना नजरिया
- कार्टून के माध्यम से दिखाई रोहिंग्या की कहानी
- इस प्रतियोगिता में कुल 13 टीमों ने हिस्सा लिया, भ्रूणहत्या के खिलाफ भी दिखाई चित्रकारी



युवा उत्सव में पेंटिंग बनती प्रतिभागी। इस दौरान उन्होंने पेंटिंग के माध्यम से हरियाणा के विकास के बारे में दर्शाया।

कार्टून के माध्यम से दिखाई रोहिंग्या की कहानी

महोत्सव में आयोजित कार्टून प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने रोहिंग्या की जिंदगी को लेकर शानदार कार्टूनिंग की। विद्यार्थियों ने अपने कार्टून के माध्यम से रोहिंग्या की स्थिति को दिखाया। वहीं, दूसरी ओर इस दौरान यह दिखाया गया कि किस तरह से रोहिंग्याओं



को भारत, बांग्लादेश और मलेशिया की नाव पर सवार होना पड़ रहा है। वहीं डोनेशन के माध्यम से बढ़ने वाले भ्रष्टाचार को लेकर भी करारा व्यंग्य किया गया। कार्टून प्रतियोगिता में 7 टीमों ने हिस्सा लिया।

दैनिक जागरण - 31/11/17



# युवा 25 की उम्र में ही भविष्य का रोड मैप बनाएं : ग़ोवर जीजेयू में सातवें युवा महोत्सव का राज्यमंत्री मनीष ग़ोवर ने किया शुभारंभ, पहले दिन 290 युवाओं ने दी रंगारंग प्रस्तुति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

सहकारिता राज्य मंत्री मनीष ग़ोवर ने कहा कि हरियाणा के जवान, किसान, खिलाड़ी और सांस्कृतिक परंपराएं विदेश तक में विशेष स्थान उपलब्ध करवा रही हैं।

मनीष ग़ोवर बुधवार को जीजेयू के 7वें युवा महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा युवा 25 वर्ष की आयु में ही अपने भविष्य का रोड मैप तैयार कर लें। पहले युवा अधिकार समय खेल मैदान में बिताता था। आज का युवा वर्ग मोबाइल और टीवी के साथ समय बिता रहा है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों के हर प्रकार के सृजनात्मक गुणों को उभारने के लिए मंच उपलब्ध कराने के कृतसंकल्प है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करना चाहिए।

अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय के साथ अब 56 महाविद्यालय संबद्ध हैं। युवा कल्पना निदेशक अजीत सिंह ने धन्यवाद संबोधन प्रस्तुत किया।

## मंच नंबर एक चौधरी रणबीर सिंह सभागार में

युवा महोत्सव का आयोजन तीन मंचों पर किया जा रहा है। मंच नंबर एक चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में लगाया गया। इसमें लोक नृत्य (हरियाणवी) एकल महिला और पुरुष, नृत्य कला, हरियाणवी आर्केस्ट्रा और इंडियन क्लासिकल आर्केस्ट्रा विद्यार्थी आयोजित हो रही हैं।

## मंच नंबर दो शिक्षण खंड चार के सभागार में

मंच नंबर दो शिक्षण खंड चार के सभागार में लगाया। इसमें कलाकारों द्वारा क्लासिकल नृत्य, क्लासिकल वाद्य सौलो (पक्यूशन व नॉन-पक्यूशन), क्लासिकल वॉक सौलो (हिंदुस्तानी/कार्नेटिक) और लोकगीत एकल (हरियाणा) विद्यार्थी की विशेष प्रस्तुति दी जा रही है।

## तीसरे मंच पर कार्टूनिंग और ऑन स्पॉट पेंटिंग

विश्वविद्यालय की कार्यशाला में लगाए गए तीसरे मंच पर कार्टूनिंग और ऑन स्पॉट पेंटिंग विद्यार्थी का आयोजन किया जा रहा है।

## अलग कोड से पहचानी जाएंगी टीमें

चार दिवसीय युव महोत्सव का समापन चार नंबरों को होगा। इसमें यूनिवर्सिटी से जिले के सभी कॉलेजों की टीमें शिरकत कर रही हैं। चार दिवसीय महोत्सव के लिए टीमों को अलग-अलग कोड नंबर दिए गए हैं।

## रात 9 बजे तक चले आयोजन

जीजेयू में बुधवार को सुबह साढ़े 9 बजे सांस्कृतिक यात्रा शुरू हुई। इसमें कलाकार अपनी वेशभूषा में गेट से लेकर मुख्य मंच तक पहुंचे। इसके बाद मुख्य अतिथि ने समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया। शाम 4 से 6 बजे तक हरियाणवी लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। शाम छह से आठ बजे तक कारियोग्राफी प्रस्तुत की गई।

एक हजार प्रतिभागी दिखाएंगे प्रतिभा : समारोह में 18 कॉलेजों से करीब एक हजार प्रतिभागी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। पहले दिन करीब 290 युवाओं ने अपनी कला के जाह्नव दिखाए। बीरवार को हिंदी नाटक, मिमिक्री, ग्राइक, हरियाणवी रिक्त, समूह नृत्य, रंगोली, काव्य पाठ के आयोजन होंगे।



जीजेयू में यूथ फेस्टीवल का शुभारंभ करते सहकारिता मंत्री मनीष ग़ोवर।



जीजेयू के युवा महोत्सव में उपस्थित स्टूडेंट्स और यूनिवर्सिटी का स्टाफ।

अमर उजाला - 2/11/17

# शोधार्थी की समझने की क्षमता को बढ़ावा देते हैं उपकरण : कुलपति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि उपकरण किसी भी शोधार्थी की आंखें होती हैं। उपकरण शोधार्थी की समझने की क्षमता को बढ़ावा देते हैं।

कुलपति टंकेश्वर कुमार वीरवार को मानव संसाधन विकास केंद्र के सौजन्य से एडवांस एनालीटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्निक विषय पर शुरू हुए लघु अवधि कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में उपकरणों की कमी नहीं है, लेकिन उनका समुचित प्रयोग नहीं हो रहा। उन्होंने उपकरणों के निर्माण पर भी बल दिया।

विश्वविद्यालय में अत्यंत उच्च स्तर के उपकरण उपलब्ध हैं। महाविद्यालय के शिक्षक भी इन उपकरणों का प्रयोग कर अपनी शोध क्षमता को बढ़ा सकते हैं। कोर्स को ऑर्डिनेटर प्रो. देवेन्द्र कुमार ने



जीजेयू के कुलपति टंकेश्वर कुमार दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए।

कहा कि कोर्स के दौरान एडवांस रिसर्च तकनीकों से अवगत करवाया जाएगा। कोर्स में शिक्षकों व शोधार्थियों सहित देशभर से 32 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं में ले जाकर शोध के लिए प्रयुक्त होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि मानव संसाधन विकास केंद्र

में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के सौजन्य से होने वाला यह पहला कोर्स है। केंद्र को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान से एक करोड़ का अनुदान मिला है। नैक रैंकिंग में यह मानव संसाधन विकास केंद्र देशभर में प्रथम स्थान पर है। अनुदान पाने वाले देश में पहले 10 मानव संसाधन विकास केंद्रों में शामिल किया गया है। मंच संचालन और धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. अनुराग सांगवान ने किया।

अमर उजाला - 3/11/17



प्रतिभा प्रदर्शन

हर विधा में पारंगता का प्रदर्शन कर रहे हैं विद्यार्थी

# गुजवि युवा महोत्सव में छात्रों ने अभिनय की अमिट छाप छोड़ी



वन एक्ट प्ले (हिंदी) में प्रस्तुति देते प्रतिभागी व (दाएँ) कलाकुती बनाती छात्रा।

हिसार, 2 नवंबर (सिखा) : गुरु जन्मेश्वर विश्वविद्यालय के सातवें युवा महोत्सव में संबद्ध विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने अपने अभिनय की अमिट छाप दर्शकों पर छोड़ी। समाराह के दूसरे दिन आज वन एक्ट प्ले ने सभागार में उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया। विश्वविद्यालय व महाविद्यालय की विभिन्न टीमों ने अन्य विधाओं में

अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय की टीमों के साथ-साथ हिसार के दयानन्द महाविद्यालय, चौधरी छोट्ट राम ममोरियल जाट कॉलेज, फतेहचन्द महिला महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय, छोट्ट राम लाल महाविद्यालय, राजकीय महिला महाविद्यालय, एमएलबी महाविद्यालय, इ पौरियल

महाविद्यालय, पीपीआईएमटी महाविद्यालय, हिसार, प्रणार्थ प्रणामी आर्द्र महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय नलवा, राजकीय महाविद्यालय नारनौद, राजकीय महाविद्यालय बरवाला, राजकीय महाविद्यालय हांसी, एसडी महिला महाविद्यालय, हांसी तथा एफजीएम राजकीय महाविद्यालय की टीमों भाग ले रही

है। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने बताया कि युवा महोत्सव के दूसरे दिन चौधरी रणवीर सिंह सभागार के मेन हॉल में वन एक्ट प्ले (हिंदी) मिमिक्री, माईएम, स्किट (हरियाणवी) व समूह लोक नृत्य (हरियाणवी) का प्रस्तुत की जा रही है तथा सभागार के हॉल 1, 2 व 3 में वाग्मिता, कविता पाठ (हिंदी, उर्दू,

हरियाणवी व पंजाबी) तथा वाद-विवाद विधाएं आयोजित की जा रही हैं। सभागार के बाहर इन्स्टालेशन और स्पॉट फोटोग्राफी विधाएं तथा विश्वविद्यालय की कार्यशाला में मिट्टी मॉडलिंग, कॉलॉज मैकिंग, पोस्टर मैकिंग तथा रंगोली विधाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। युवा कल्याण निदेशक अजित सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों द्वारा

विश्वविद्यालय के शिक्षण खंड चार के सभागार में लाइट वोकल (इंडियन) सोलो, लोक गीत सोलो (जनरल), लोक वाद्य सोलो (हरियाणा), पश्चिमी वाद्य (सोलो), पश्चिमी वॉकल (सोलो) समूह गीत (पश्चिमी) तथा समूह गीत (सामान्य-भारत) विधाओं की विशेष प्रस्तुति दर्शकों का मन मोह रही है।

## आज होगा युवा महोत्सव का समापन समारोह

# गुजवि में हरियाणवी गीतों पर झूम उठे दर्शक

तीसरे दिन का कार्यक्रम बीते दो दिनों के मुकाबले शांतिपूर्ण रहा

हरिद्वीप न्यूज ॥ हिसार

गुरु जन्मेश्वर विश्वविद्यालय में शुकवार को 7वें युवा महोत्सव के तीसरे दिन हरियाणवी गुरु सांग, रिच्यूल विधा में कलाकारों ने ऐसा समां बोधा कि दर्शक सीट से उठकर नाचने को मजबूर हो गए। तीसरे दिन का कार्यक्रम बीते दो दिनों के मुकाबले कुछ शांतिपूर्ण रहा।

गुजवि के शिक्षण संस्थान नम्बर चार में रिच्यूल विधा में प्रदेश की संस्कृति से रूबरू करवाया गया। जिसमें टीम एम की प्रस्तुति में शादी से एक दिन पहले दूल्हे के द्वारा की जाने वाली सभी रीत रिवाजों को एक नाटक के माध्यम से लोगों के सामने पेश किया। तेरे बीरे की मेरोड़ मेरे ठोसे पे जब यह गीत गाया तो युवा कलाकारों के साथ ही झूमने लगे। इसके बाद इसी टीम ने दूध बन जाउगी, मलाई बन जाउंगी पर अपनी शानदार प्रस्तुति दी। टीम के ने फेरों के बाद और विदाई के बीच की जाने वाले रिवाजों पर प्रस्तुति दी। जिसमें दूल्हे का सेहरा



हिसार। युवा महोत्सव में राधा कृष्ण की भूमिका अदा करते प्रतिभागी तथा लोकगीत की प्रस्तुति देती छात्रा।

उतरवाना, साली द्वारा जीजा ने नेग लेगा तथा दुल्हन की विदाई को शामिल किया गया। टीम जे ने गाला में रुका पड़ गया, रिमिगम-2, बुड़ी नू मटक के बुड़ी नू मटक पर जब कलाकारों ने डांस किया तो तालियों और सीटियों से हॉल गुंज गया।

### यह रही विधाएं

चौधरी रणवीर सिंह सभागार के मेन हॉल में वन एक्ट प्ले संस्कृत, कव्वाली, इंडियन क्लासिकल आर्केस्ट्रा तथा सांग का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के युवा कल्याण निदेशक अजित सिंह ने बताया कि वन एक्ट प्ले संस्कृत में

विश्वविद्यालय तथा विभिन्न महाविद्यालयों की 5 टीमों ने भाग लिया। शाम के वक्त हुए सांग में दो टीमों तथा कव्वाली के लिए तीन टीमों ने भाग लिया। एक से तीन में विवज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 10 टीमों ने भाग लिया। शिक्षण खंड चार के सभागार हॉल में चले गुरु सांग हरियाणवी में 10 टीमों ने भाग लिया। रिच्यूल विधा में 10 टीमों ने अपनी प्रस्तुति दी।

### आज होगा समापन

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने बताया कि 7वें युवा महोत्सव के

समापन समारोह का आयोजन शनिवार को मेन हॉल में होगा। इस अवसर पर हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की अध्यक्ष सुनीता दुग्गल मुख्यातिथि होंगी जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

### छोटे स्टेज पर भी शानदार रही रिच्यूल विधा

हरियाणवी संस्कृति से रूबरू करवाती रिच्यूल विधा किस जगह पर होगी, को लेकर शुकवार दोपहर तक कलाकारों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। कलाकारों ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि

शिक्षण संस्थान 4 में जो स्टेज है, वह विधा के मुताबिक काफी छोटा है। जिसमें उन्हें अपनी प्रस्तुति देने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

### माइक ने फेरा तैयारियों पर पानी

जाट कॉलेज की टीम साउंड सिस्टम में आई तकनीकी खामी के कारण अपनी प्रस्तुति नहीं दे पाई। बीते काफी समय से इस समारोह की तैयारियों को लेकर की जा रही मेहनत पर पानी फिर गया। देअसल जब टीम प्रस्तुति देने मंच पर आई तो माइक से अतिरिक्त साउंड आनी



हिसार। युवा महोत्सव के दौरान हरियाणवी में प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

शुरू हो गईं। इस पर कॉलेज के एक प्राध्यापक ने कहा कि ऐसे खराब साउंड सिस्टम में प्रस्तुति नहीं दी जा

सकती। कई देर तक मशकत करने के बाद भी माइक ठीक नहीं हुए तो कलाकारों को वापस सीटों पर पड़ा।

हरिद्वीप न्यूज

दिनांक - 4-11-2017



# डांस में डीएन कॉलेज, एक्टिंग में जीजेयू प्रथम

वन एक्ट प्ले में जाट कॉलेज, हरियाणवी स्किट व कविता पाठ में नारनौंद, गीत में हांसी कॉलेज ने मारी बाजी

## जीजेयू

यूथ फेस्टिवल

भास्कर न्यूज़, हिस्सार

जीजेयू में चल रहे यूथ फेस्ट के समापन पर परिणामों की घोषणा की गई। परिणामों के अनुसार वन एक्ट प्ले हिंदी में छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय के छात्र को श्रेष्ठ अभिनेता चुना गया। राजकीय महाविद्यालय तथा दयानंद महाविद्यालय की छात्राओं को श्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया। वन एक्ट प्ले संस्कृत में छाजू राम महाविद्यालय के छात्र अनुप को श्रेष्ठ अभिनेता चुना तथा दयानंद महाविद्यालय की छात्रा सिमरन सतीजा को श्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया।

यूनिवर्सिटी के छात्र कल्याण अभिषाता प्रो. हरभजन बंसल ने बताया युवा महोत्सव की विभिन्न विधाओं में दयानंद महाविद्यालय का दबदबा रहा। नृत्य, गायन, साहित्यिक व ललित कला विधाओं की ओवरऑल ट्राफी दयानंद महाविद्यालय के नाम रही जबकि थिएटर विधा में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट ने ओवरऑल ट्राफी जीती।

## यूथ फेस्ट के परिणाम

- **वोकल सोलो**  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **वाल्सिकल इंट्रूमेंटल सोलो(प्रकारान)**  
राजकीय महाविद्यालय, हिस्सार, प्रथम  
जीजेयू, द्वितीय
- **वाल्सिकल इंट्रूमेंटल सोलो (नों-प्रकारान)**  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, प्रथम  
यूटीडी जीजेयू, द्वितीय
- **लाइट वोकल सोलो (इंडियन)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **वेस्टन वोकल (सोलो)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय, हिस्सार, द्वितीय
- **गुप साँग जनरल**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय, हिस्सार, द्वितीय
- **गुप साँग हरियाणवी**  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, प्रथम  
छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय, द्वितीय
- **गुप साँग (वेस्टन)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय, द्वितीय

- **हरियाणवी ऑर्केस्ट्रा**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
एफजीएन महाविद्यालय आमपुर, द्वितीय
- **इंडियन वाल्सिकल ऑर्केस्ट्रा**  
राजकीय महाविद्यालय, हिस्सार प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **वेस्टन इंट्रूमेंटल सोलो**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **फोक इंट्रूमेंटल सोलो**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **फोक साँग सोलो**  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, प्रथम  
यूटीडी जीजेयू, द्वितीय
- **फोक साँग सोलो (जनरल)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
छाजू राम लॉ महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **कवाली**  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, तृतीय
- **छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय**  
हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय  
यूटीडी जीजेयू, तृतीय
- **गुप डांस जनरल**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **गुप डांस हरियाणवी**  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय  
राजकीय महिला महाविद्यालय हिस्सार, तृतीय

- **कॉरियोग्राफी**  
छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय, प्रथम  
यूटीडी जीजेयू, द्वितीय  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, तृतीय
- **वाल्सिकल डांस सोलो**  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
यूटीडी जीजेयू, द्वितीय
- **फोक डांस सोलो मेल**  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **फोक डांस सोलो प्रीमेल**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महिला महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **विजय**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय, द्वितीय
- **एड्युकेशन**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **डिवेट**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **कविता उच्चारण (हिन्दी)**  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय नारनौंद, प्रथम  
जीजेयू, द्वितीय
- **माइम**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **मिमिक्री**  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **कविता उच्चारण (अंग्रेजी)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **कविता उच्चारण (उर्दू)**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम
- **कविता उच्चारण (हरियाणवी)**  
राजकीय महाविद्यालय नारनौंद, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **कविता उच्चारण (पंजाबी)**  
एफएनजी महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
यूटीडी जीजेयू, द्वितीय
- **वन एक्ट प्ले (हिन्दी)**  
छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **वन एक्ट प्ले (संस्कृत)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **स्किट (हरियाणवी)**  
राजकीय महाविद्यालय नारनौंद, प्रथम  
जीजेयू, द्वितीय
- **माइम**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **मिमिक्री**  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय

- राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **कविता उच्चारण (अंग्रेजी)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **कविता उच्चारण (उर्दू)**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम
- **कविता उच्चारण (हरियाणवी)**  
राजकीय महाविद्यालय नारनौंद, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **कविता उच्चारण (पंजाबी)**  
एफएनजी महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
यूटीडी जीजेयू, द्वितीय
- **वन एक्ट प्ले (हिन्दी)**  
छाजू राम मेमोरियल जाट महाविद्यालय, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **वन एक्ट प्ले (संस्कृत)**  
दयानंद महाविद्यालय, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **स्किट (हरियाणवी)**  
राजकीय महाविद्यालय नारनौंद, प्रथम  
जीजेयू, द्वितीय
- **माइम**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय
- **मिमिक्री**  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय

- यूटीडी जीजेयू, प्रथम  
एफएनजी महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **सांग**  
राजकीय महाविद्यालय हांसी, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **रिच्युवल**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हांसी, द्वितीय
- **ऑन द स्पॉट पेंटिंग**  
राजकीय महिला महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
एफएनजी महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **फोटोज**  
एफएनजी महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
दयानंद महाविद्यालय, द्वितीय
- **पोस्टर मेंकिंग**  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय बरवाला, द्वितीय
- **वसे मॉडलिंग**  
यूटीडी जीजेयू, प्रथम  
राजकीय महाविद्यालय हिस्सार, द्वितीय
- **कार्टूनिंग**  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, प्रथम  
यूटीडी जीजेयू, द्वितीय
- **रंगोली**  
एफएनजी महाविद्यालय हिस्सार, प्रथम  
फतेहचंद महिला महाविद्यालय, द्वितीय

देविका भास्कर

## सोच में सकारात्मक होगी तो नहीं आरगा डिप्रेसन : प्रो. नंदिता



प्रो. नंदिता बाबू को स्मृतिचिह्न भेंट करते विभागाध्यक्ष प्रो. संदीप राणा।



कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडरी।

## समाज के लिए उपयोगी होना चाहिए : शोध

दिल्ली विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. नंदिता बाबू ने कहा है कि अपनी सोच में सकारात्मक बदलाव लाकर हम अपने व्यवहार में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।  
प्रो. नंदिता बाबू जीजेयू के मनोविज्ञान विभाग के की ओर से संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा विषय पर आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में लक्ष्य तय करने चाहिए।

उन लक्ष्यों पर पहुंचने के लिए अपनी सोच में सकारात्मक बदलाव करके अपने व्यवहार में सकारात्मक बदलाव करना चाहिए।  
प्रो. संदीप राणा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हम अपनी अवधारणाओं एवं मूल्यों को सही परिप्रेक्ष्य में देखें। कार्यशाला में 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंच संचालन गरिमा व अंजली ने किया। डॉ. राकेश बहमनी, डॉ. मंजू, डॉ. तरुणा एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

अमर उषाल-311117

## प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के छात्र रागेश का चयन डीआईसी इंडिया कंपनी में

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थी रागेश कुमार का चयन डीआईसी इंडिया कंपनी में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से बीटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ऑन-कैम्पस प्लेसमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कंपनी के महाप्रबंधक मार्केटिंग रिशीराज, एचआर हेड मनीशा द्विवेदी तथा एचआर एग्जिक्यूटिव प्रशांत बाजपेयी ने 25 विद्यार्थियों का एटीट्यूड टेस्ट लिया। जिसके आधार पर छह विद्यार्थियों को तकनीकी एवं एचआर साक्षात्कार के लिए सूचीबद्ध किया गया। अंतिम राउंड में कंपनी ने विश्वविद्यालय के रागेश कुमार का चयन किया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि कंपनी के अधिकारियों ने प्रिंटिंग विभाग का दौरा भी किया तथा विश्वविद्यालय एवं कंपनी की इंटरैक्शन की संभावनाओं पर बातचीत की। डीआईसी इंडिया देश की जानी-मानी इंक कम्पनी है। यह कम्पनी विश्व की सबसे बड़ी और 107 वर्ष पुरानी प्रिंटिंग इंक उत्पादक डीआईसी कॉर्पोरेशन, जापान का हिस्सा है। मलिक ने विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के हेड मुकेश अरोड़ा, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अम्बरीष पाण्डेय तथा प्लेसमेंट कोर्डिनेटर डॉ. संदीप माथुर का प्लेसमेंट प्रक्रिया में विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।



# जीजेयू विद्यार्थियों को देगी हाई सिक्योरिटी फीचर डीएमसी

संदीप बिहगोई • हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 2017-18 में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को हाई सिक्योरिटी फीचर डीएमसी (मार्कशीट) मिलेगी। इस डीएमसी में ऐसे 12 फीचर्स हैं। खास बात यह है कि ऑरिजनल डीएमसी में एक ऐसा गोपनीय पैटर्न जोड़ा गया है, जिसे सिर्फ डुप्लीकेट कॉपी (फोटोकॉपी) पर ही देखा जा सकता है। नॉन टीएबल पेपर होने के कारण यह डीएमसी न फाड़ी जा सकेगी और न ही पानी से खराब होगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने डुप्लीकेट मार्कशीट बनाने जैसी समस्याओं को खत्म करने और डीएमसी को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि मार्कशीट की सुरक्षा उनकी प्राथमिकताओं में से एक थी। इसके लिए कई विश्वविद्यालयों की डीएमसी के सुरक्षा फीचर्स का अध्ययन किया गया। इसके बाद इस डीएमसी को तैयार करवाया गया है। उन्होंने बताया कि डीएमसी के अंदर भी दो ऐसे लोगों होंगे, जो केवल अल्ट्रा वावलट से नजर आएंगे। ऐसी एक डीएमसी का खर्च करीब 22 से 25 रुपये होगा।

**डीएमसी पर दो तरह के होंगे लोगो** : मार्कशीट पर विश्वविद्यालय के दो लोगो दिखाई देंगे, जिनमें से एक साधारण लोगो और दूसरा गोल्ड लीफ प्रिंटिंग वाला लोगो होगा। गोल्ड लीफ

नई डीएमसी में 12 गोपनीय फीचर होंगे, न फटेगी और न गलेगी, सुरक्षा को देखते हुए विधि ने लिया निर्णय



नए सत्र के विद्यार्थियों के लिए हम नई डीएमसी तैयार करवा रहे हैं। इस डीएमसी में 12 हाई सिक्योरिटी फीचर्स होंगे। इन फीचर्स के होने के कारण कोई भी डुप्लीकेट डीएमसी तैयार नहीं की जा सकेगी।  
**प्रो. यशपाल सिंगला, परीक्षा नियंत्रक, जीजेयू हिसार।**

प्रिंटिंग वाला लोगो अलग तरह का आकर्षित करने वाला लोगो होगा। वहीं लोगो के नीचे नैनो प्रिंटिंग होगी। जिसके अंतर्गत बहुत छोटे अक्षरों में लिखा जाएगा। इन अक्षरों को केवल लेंस से ही पढ़ा जा सकेगा। इसके अलावा दूसरे लोगो के नीचे डाट दिखाई देंगे, लेकिन वास्तव में यहां कुछ लिखा हुआ होगा, जिसे केवल मैग्नीफाइंग ग्लास से ही देखा जा सकेगा।

ई निक जागरण 9/11/17

# गुजवि के इंटरैक्टिव कार्यक्रम में दिए टिप्स

हिसार, 10 नवम्बर (का.प्र.) : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के इलैक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नवाचार और प्रसारण' विषय पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की।



इस दौरान विवि के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) के एसोसिएट डा. अविनाश कुमार ने विशेष व्याख्यान दिया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का सौभाग्य है कि उन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) के बारे में जानने का अवसर मिला है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन विभिन्न नवीनतम तकनीकों

डॉ. अविनाश कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। के माध्यम से देश की सुरक्षा के लिए अपना विशेष योगदान दे रही है। विद्यार्थी अपने इन्ोवेटिव आइडिया के साथ राष्ट्र के कल्याण में अपना सहयोग दें।

डॉ.आर.डी.ओ. के डा. अविनाश कुमार ने कहा कि डी.आर.डी.ओ. द्वारा प्रदेश के एकमात्र तकनीकी विश्वविद्यालय को विशेष व्याख्यान हेतु चुना गया है। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे इलैक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी व खाद्य प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में डी.आर.डी.ओ. की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए समर्पित अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों के विकास में छात्रों और विद्वानों का भागीदारी की मांग की।

पंजाब कृषि- 11/11/17

**गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी की पहल**  
सुंदरता बढ़ाने और रंग थैरेपी के लिए प्रशासन का फोकस, 20 हजार फूलदार पौधे तैयार

# तनाव भगाना है और पांजीटिव एनर्जी चाहिए तो फूलों के पास आइए, जीजेयू ने कलर थैरेपी के लिए कैंपस में लगाए 10 हजार फूलदार पौधे

पवन सिरोवा • हिसार

**70 वैसयटीज की लगाई पौधे**

हर रंग कुछ कहता है, किस कलर का मनोवैज्ञानिक प्रभाव और फायदा

कलर सकारात्मक ऊर्जा के साथ ही बीमारी का उपचार करते हैं : गुप्ता

टीचर्स और स्टूडेंट्स में बढ़ते तनाव को दूर करने के लिए गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी कलर थैरेपी का सहारा ले रहा है। यूनिवर्सिटी कैंपस में विद्यार्थियों व स्टाफ को सकारात्मक माहौल देने के लिए लाइब्रेरी, हॉस्टल सहित टीचिंग ब्लाक के पास 10 हजार रंग-बिरंगे फूलदार पौधे विशेष रूप से लगाए गए हैं। वहीं बागवानी शाखा की नर्सरी में 20 हजार पौधे तैयार की गई हैं। दरअसल, कंपीटिशन के दौर में कैंपस के लिए स्टूडेंट्स को प्रतिदिन 10 से 14 घंटे तक पढ़ाई करनी पड़ रही है। इसके बाद भी इंटरनेट और अन्य सोशल मीडिया पर भी समय लगाते हैं। ऐसे में उनके पास अपने व अपने दोस्तों के लिए कम समय निकल पाता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह माहौल तनाव को वजह बनता है। वहीं प्रकृति विशेषकर फूल और उमंग रंग विद्यार्थियों को सकारात्मक माहौल देते हुए तनाव को कम कर सकते हैं।

विभिन्न रंगों के फूलों से युक्त फूलों के फायदे हैं। लाल रंग पसंद करने वाले व्यक्ति ऊर्जा से भरा, आशावादी, महत्वाकांक्षी होता है। ऐसा व्यक्ति आकर्षण का केंद्र रहता है। हरा - खुशहाली देता है। हरियाली देख व्यक्ति रिसेल्व अनुभव करता है। इस रंग को पसंद करने वाले व्यक्ति के स्वभाव में स्थिरता बनीती है। पीला - मस्तिष्क की शक्ति बढ़ता है। इस रंग को पसंद करने वाले व्यक्ति बुद्धिमान, आदर्श वादी, उत्सुक, एककी और बेहद कल्पनशील होता है। नीला - सबको समझित करके चलने वाला रंग है। आरामन व समुद्र का रंग नीला होता है। इससे विशालता की भावना पैदा होती है। सफेद - श्रंत वातावरण को दर्शाता है। सफेद फूलों के बीच स्मय व्यतीत करने से मन में शांति आती है और व्यक्ति अनुशासन सीखता है।

लाल - शरीर के रक्त संचार में वृद्धि व पांजीटिव व एनर्जी बढ़ती है। नकारात्मक विचार समाप्त होते हैं। लाल रंग पसंद करने वाले व्यक्ति ऊर्जा से भरा, आशावादी, महत्वाकांक्षी होता है। ऐसा व्यक्ति आकर्षण का केंद्र रहता है। हरा - खुशहाली देता है। हरियाली देख व्यक्ति रिसेल्व अनुभव करता है। इस रंग को पसंद करने वाले व्यक्ति के स्वभाव में स्थिरता बनीती है। पीला - मस्तिष्क की शक्ति बढ़ता है। इस रंग को पसंद करने वाले व्यक्ति बुद्धिमान, आदर्श वादी, उत्सुक, एककी और बेहद कल्पनशील होता है। नीला - सबको समझित करके चलने वाला रंग है। आरामन व समुद्र का रंग नीला होता है। इससे विशालता की भावना पैदा होती है। सफेद - श्रंत वातावरण को दर्शाता है। सफेद फूलों के बीच स्मय व्यतीत करने से मन में शांति आती है और व्यक्ति अनुशासन सीखता है।



जीजेयू नर्सरी में फूलों की पौधे तैयार करता स्टाफ

आंखें जो देखती हैं, कान जो सुनते हैं और नक जो सूंघता है, उसका उत्तर सौधे हमारे दिमाग पर होता है। इसलिए क्या ही बीमारी के इलाज का एकमात्र उपचार नहीं है बल्कि संगीत, कलर, डांस और लाइट थैरेपी भी इलाज का बेहतर जरिया है। तनाव, अवसाद सहित अन्य कई बीमारी को मात्र इन थैरेपी से दूर की जा सकती है और जीवन को एक नई उमंग प्रदान करती है। यूनिवर्सिटी कैंपस में रंग-बिरंगे फूलों को बढ़ावा देना सकारात्मक प्रयास है। इससे दो तरीके करके थैरेपी व एनर्जी युक्त थैरेपी मिलेगी जो शिक्षक व विद्यार्थियों के लिए लाभकारी होगी।  
-डॉ. नरेंद्र गुप्ता, मनोचिकित्सक हिसार।

जीजेयू में हरियाली को बढ़ावा दिया जा रहा है। फूलों के पौधे तैयार कर उन्हें कैंपस में लगाया जा रहा है। क्योंकि फूल व उनके रंग हमारे जीवन में उत्साह-उमंग भरते हैं। हमें जीवंत बनाते हैं। हरियाली बढ़ाने के लिए बागवानी शाखा बेहतर कार्य कर रही है।  
-टंकेश्वर कुमार, वॉस, जीजेयू हिसार।

ई निक आस्कर- 13/11/17



# तकनीकों एवं उपकरणों का उचित प्रयोग करें शोधकर्ता : कुलपति



कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो  
हिसार।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोधकर्ताओं को तकनीकों एवं उपकरणों का उचित प्रयोग करना चाहिए। तकनीकों एवं उपकरणों का उचित प्रयोग करके शोधार्थी को उच्च स्तर का श्रेष्ठ शोध करना चाहिए, जो समाज तथा मानव के लिए उपयोगी हो।

प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के सौजन्य से 'शोध प्रणाली' विषय पर आयोजित किए गए सात दिवसीय कार्यशाला के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर

रहे थे। समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोधार्थी के लिए शोध समस्याओं को समझना बहुत आवश्यक है। हमें निरंतर नई शोध विधियों सीखने के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्चस्तरीय शोध तभी संभव है, जब शोधार्थी को शोध की विधियों का बेहतर ज्ञान होगा। मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने स्वागत प्रस्ताव प्रस्तुत किया और शोधार्थियों को श्रेष्ठ शोध करने के लिए प्रेरित किया। सात दिवसीय कार्यशाला की संयोजिका प्रो. चंदना पूनिया ने शोध कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की।



औद्योगिक यात्रा में भाग लेने वाले जीजेयू के विद्यार्थी। अमर उजाला

## जीजेयू के छात्रों ने किया आईयूएसी का टूर

हिसार(ब्यूरो)। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एमएससी भौतिक विज्ञान के अंतिम वर्ष के छात्रों ने अंतर विश्वविद्यालय गतिवर्धक केंद्र (आईयूएसी), नई दिल्ली की एक दिवसीय औद्योगिक यात्रा की। इसमें 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि अंतर विश्वविद्यालय गतिवर्धक केंद्र परमाणु आणविक और भौतिक विज्ञान क्षेत्र की अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं के लिए

प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल ज्ञान का होना बहुत आवश्यक है और प्रैक्टिकल ज्ञान के लिए औद्योगिक यात्रा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। अंतर विश्वविद्यालय गतिवर्धक केंद्र, नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. केएस गोल्डा के नेतृत्व में विद्यार्थियों को विभिन्न प्रयोगशालाओं की जानकारी दी गई। यात्रा के दौरान विभाग के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. रंजीत सिंह और भौतिक विज्ञान विभाग की डॉ. नीतू अहलावत भी विद्यार्थियों के साथ रहे।

अमर उजाला-13/11/17

सम्मेलन

ओरगेनिक्स व थर्मोडायनामिक्स विषय पर 17 व 18 नवंबर को 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन का होगा आयोजन

# जीजेयू में 200 छात्रों के साइंस आइडियाज को परखेंगे देशभर के 17 साइंटिस्ट, बेस्ट आइडिया पर साइंस फोर्म करेगी काम

भारकर न्यूज | हिसार

प्रदेश में किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के दुष्प्रभावों तथा पराली के उपयोग व समाधान जैसे मुद्दों व नए आइडियाज पर जीजेयू में दो दिवसीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा। जीजेयू के रसायन विभाग में 'ओरगेनिक्स, मेटल्लोर्गेनिक्स एंड थर्मोडायनामिक्स' विषय पर यह सेमिनार 17 व 18 नवंबर को 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन के रूप में मनाया जाएगा। सेमिनार में देश के कई विश्वविद्यालयों से आए साइंटिस्ट बॉयोमास विषय के तहत पराली का प्रयोग किए जाने, किसानों को पराली न जलाने व इसके समाधान के लिए नए आइडियाज

प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ छात्रों के नए आइडियाज के लिए भी साइंटिस्ट चर्चा करेंगे।

विश्वविद्यालय के सीआरएस सभागार में सुबह 10:00 बजे होने वाले सम्मेलन का उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के प्रोफेसर अमरेटस व इनसा इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी ऑनररी साइंटिस्ट तथा इंडियन थर्मोडायनामिक्स सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. डीवीएस जैन होंगे। पीडीएम यूनिवर्सिटी बहादुरगढ़ के कुलपति प्रो. एके बाबूरी सम्मेलन के मुख्य वक्ता होंगे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

## कई विश्वविद्यालयों से 17 साइंटिस्ट लेंगे भाग

नेशनल सेमिनार में आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, बहादुरगढ़ सहित देश के विभिन्न भागों से विभिन्न विषयों के 17 विशेषज्ञ सेमिनार में उपस्थित होंगे। ये विभिन्न तकनीकी सत्रों को संबोधित करेंगे। पीडीएम यूनिवर्सिटी बहादुरगढ़ के कुलपति प्रो. एके बाबूरी सम्मेलन के मुख्य वक्ता होंगे। अध्यक्षता जीजेयू के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे।

## सेमिनार में नए आइडियाज होंगे प्रस्तुत

सेमिनार में जीजेयू के विद्यार्थी साइंस विषय पर आधारित नए आइडियाज साइंटिस्टों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। नए आइडियाज को साइंटिस्टों के द्वारा डिस्कस किया जाएगा। यदि किसी विद्यार्थी का कोई आइडिया उपयोगी साबित होता है तो इन आइडिया को साइंटिस्ट फोर्म में भेजा जाएगा। जहां इन आइडियाज पर वर्क किया जाएगा।

## 153 शिक्षक और छात्र देंगे प्रेजेंटेशन

समन्वयक प्रो. जेबी बहिया ने बताया कि सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से 153 शिक्षक व छात्र पोस्टर व ऑरल प्रेजेंटेशन देंगे। वहीं इसमें 200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन की संयोजक सचिव डॉ. जय देवी हैं।

दैनिक भास्कर-16/11/17



# पत्रकारिता को आगे बढ़ाना है तो नया रूप देना होगा : कौशिक

कहा-भाषा और शब्द ही पत्रकार को कुशल बनाते हैं

हिसार, 16 नवम्बर (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग में वीरवार को राष्ट्रीय प्रैस दिवस के अवसर पर सैमीनार का आयोजन किया गया। सैमीनार में लोक सम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डा. साहिब राम गोदाय ने मुख्य रूप से शिरकत की। विभाग के अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष डा. विक्रम कौशिक ने कहा कि पिछले 50 वर्षों से पत्रकारिता एक ही रूप में चली आ रही है। यदि पत्रकारिता को आगे बढ़ाना है तो उसे एक नई रूप देना देना ही जरूरत है। सूचना तकनीक क्रांति के दौर में विशेष तौर पर सोशल मीडिया की खबरों पर से विश्वसनीयता खत्म होती जा



मंच पर उपस्थित अतिथिगण, सैमीनार में उपस्थित शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी।

रही है। वर्तमान समय में पाठकों के बीच में विश्वसनीयता बनाए रखना पत्रकारों व प्रैस के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। वक्ताओं ने कहा कि एक पत्रकार की भाषा और शब्द ही उसे कुशल पत्रकार बनाते हैं।

डा. साहिब राम गोदाय ने बताया

कि पत्रकार हमारे समाज का एक अभिन्न अंग है। एक डाक्टर को डाक्टर ही जानता है, इंजीनियर को इंजीनियर, लेकिन एक पत्रकार को सारी दुनिया जानती है और सम्मान देती है। डा. सुशील कुमार ने सैमीनार के समापन पर सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर विभाग के शिक्षकगण डा. उमेश आर्य, डा. कीर्ति गोयल, प्रो. मिहिर रंजन पात्रा, डा. पंकज, डा. शीलनिधि त्रिपाठी, डा. मनदेव, कुमारी कुसुमलता, पी.एच.डी. शोधार्थी, प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।



राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन करते आईटीएस अध्यक्ष प्रो. डीवीएस जैन, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

## थरमो डायनामिक्स में शोध की अपार संभावनाएं : प्रो. डीवीएस जैन

जीजेयू के केमिस्ट्री डिपार्टमेंट की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

अमर उजाला ब्यूरो  
हिसार।

इंडियन थरमो डायनामिक्स सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. डीवीएस जैन ने कहा कि थरमो डायनामिक्स रसायन विज्ञान की प्राचीनतम शाखा है। इसमें शोध की अपार संभावनाएं हैं। शोध और आविष्कार राष्ट्र के विकास के आधार होते हैं।

प्रो. डीवीएस जैन जीजेयू के केमिस्ट्री डिपार्टमेंट की ओर से आयोजित दो दिवसीय 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाप का इंजन बना तो पश्चिम देशों में औद्योगिक क्रांति आई। शोध और आविष्कार को बढ़ावा देने में शिक्षकों की विशेष भूमिका होती है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 21वीं सदी का विज्ञान पिछली सदी के विज्ञान से अलग होगा। अब विज्ञान की गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान आदि सभी शाखाओं को एक साथ



जीजेयू में राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर रंगोली बनाती छात्राएं।

मिलकर कार्य करने का समय है। मुख्य वक्ता के रूप में आए बहादुरगढ़ के पीडीएम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके बख्शी ने

कहा कि विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की संख्या बढ़ने के बावजूद भारत में शिक्षा का स्तर वैश्विक स्तर का नहीं है। ओपन,

ऑनलाइन कोर्सेज (मूक) के बारे में बताया कि आगामी समय में तकनीक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने जा रही है। शिक्षण संस्थानों को आधुनिक तकनीक अपनानी चाहिए।

कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि वर्तमान में मनुष्य के लिए रोटी, कपड़ा व मकान के साथ स्वास्थ्य और शिक्षा भी आधारभूत जरूरतों में शामिल हो गई है। पोष्टिक भोजन और उच्चस्तरीय शिक्षा उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। प्रो. टीएस बैनीपाल ने इंडियन थरमो डायनामिक्स सोसायटी के बारे में जानकारी दी। संयोजक प्रो. जेबी ने कहा सम्मेलन से समाज के लिए उपयोगी परिणाम सामने आएंगे। सह संयोजक प्रो. सतबीर मोर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। सचिव डॉ. जय देवी ने बताया कि सम्मेलन में 17 आमंत्रित व्याख्यान, 18 मौखिक प्रस्तुतियां और 135 पोस्टर प्रस्तुति होंगी। सम्मेलन से संबंधित स्मारिका का विमोचन किया गया।

अमर उजाला - 18/11/17



# पावर प्लांट में भी उपयोग हो सकेगी पराली : डॉ. सुनील

हिसार(ब्यूरो)। केमिस्ट्री विभाग की ओर से ऑर्गेनिक्स, मैटलॉर्गेनिक्स एंड थर्मोडायनामिक्स विषय पर आयोजित दो दिवसीय 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन चौधरी रणबीर सिंह सभागार में हुआ। राष्ट्रीय सम्मेलन में लगभग 15 विषय विशेषज्ञों ने विशेष व्याख्यान दिए। सम्मेलन में सात तकनीकी सत्रों में 18 से अधिक प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस दौरान प्रतिभागियों की ओर से 120 पोस्टर प्रस्तुतियां दी गईं।

इंडियन थर्मोडायनामिक्स सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. डीवीएस जैन ने प्रतिभागियों को संबोधित किया कि ऊर्जा, स्वास्थ्य, भोजन तथा पानी जैसी विश्वव्यापी समस्याओं से निपटने के लिए रसायन विज्ञान की अहम

भूमिका है। अवंता सेंटर फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, यमुनानगर के वैज्ञानिक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि किसानों द्वारा खेतों में जलाई जा रही पराली स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए अति नुकसानदायक है। पराली का प्रयोग न केवल कागज बनाने में किया जा सकता है, बल्कि बिजली पैदा करने वाले थर्मल पावर प्लांट में प्रयोग किए जाने वाले कोयले के साथ भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पराली में मिलने वाले सीलिका नाम तत्व के प्रयोग से सोडियम सिलिकेट तैयार किया जा सकता है। इसका प्रयोग रासायनिक प्रयोगशालाओं में किया जा सकता है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के केमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसपी खटकड़ ने

नैनो फोसफोरस पदार्थ के उपयोग को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि नैनोफोसफोरस पदार्थ का प्रयोग प्लाज्मा डिस्प्ले, एलईडी, बायोइमेजिंग, बायोसेंसर्स, लेजर लाइट सहित विभिन्न ऊर्जा संरक्षक उपकरणों में किया जा सकता है। इंडियन थर्मोडायनामिक्स सोसायटी के महासचिव प्रो. टीएस बैनीपाल ने भी संबोधित किया। संयोजक प्रो. जेबी दहिया ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीएसआईआर-सीएलआरआई, चेन्नई के डॉ. मोहम्मद सैयम आलम और एनआईटी जालंधर के डॉ. हर्ष मनचंदा को युवा वैज्ञानिक अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सम्मेलन के सह संयोजक प्रो. सतबीर मोर ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

उमर 3 जून - 19/11/17

## ‘सुविधाओं से निपटने के लिए रसायन विज्ञान अहम’

हरिभूमि न्यूज || हिंसा

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग द्वारा ‘ऑर्गेनिक्स, मैटलॉर्गेनिक्स एंड थर्मोडायनामिक्स’ विषय पर आयोजित दो दिवसीय 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को समापन हुआ। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में लगभग 15 विषय विशेषज्ञों ने विशेष व्याख्यान दिए और 7 तकनीकी सत्रों में 18 से अधिक प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन में प्रतिभागियों द्वारा 120 पोस्टर प्रस्तुतियां दी गईं। इंडियन थर्मोडायनामिक्स सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. डीवीएस जैन ने कहा कि ऊर्जा, स्वास्थ्य, भोजन तथा पानी जैसी विश्वव्यापी समस्याओं से निपटने के लिए रसायन विज्ञान की अहम भूमिका है। इसके लिए शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को



भी शोध पर ओर अधिक कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को प्रयोगशाला से बाहर आकर प्रयोगिक तरीके से शोध को कार्यान्वित करने की आवश्यकता है। यमुनानगर स्थित अवंता सेंटर फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च एंड डेवलपमेंट के वैज्ञानिक डा. सुनील कुमार ने बताया कि किसानों द्वारा खेतों में जलाई जा रही

पाराली स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने बताया कि पराली का प्रयोग नहीं केवल कागज बनाने में किया जा सकता है बल्कि बिजली पैदा की जाने वाले थर्मल पावर प्लांट में प्रयोग किए जाने वाले कोयले के साथ भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पराली में मिलने वाले सीलिका नाम तत्व के प्रयोग से सोडियम सिलिकेट तैयार किया जा सकता है, जिसका प्रयोग रासायनिक प्रयोगशालाओं में किया जा सकता है। रोहतक एमडीयू के केमिस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसपी खटकड़ ने नैनोफोसफोरस पदार्थ के उपयोग को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि नैनोफोसफोरस पदार्थ का प्रयोग प्लाज्मा डिस्प्ले, एलईडी, बायोइमेजिंग, बायोसेंसर्स, लेजरलाइट सहित कई ऊर्जा संरक्षक उपकरणों में किया जा सकता है।

हरिभूमि - 19/11/17



# गेहूं की तरह धान की पराली से भी बन सकेगा कागज

जागरण संवाददाता, हिसार : गेहूं की पराली की तरह अब धान की पराली से भी कागज बनाया जा सकेगा। इसके लिए पराली में से सिलिका की मात्रा को घटाया गया है। वहीं सिलिका से सोडियम सिलिकेट बनाकर रासायनिक प्रयोगशालाओं में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद बची पराली को किसी भी काम में इस्तेमाल में लाया जा सकता है। इसके लिए अवंता सेंटर फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, यमुनानगर के वैज्ञानिकों ने एक नई तकनीक इजाद की है।

सेंटर के वैज्ञानिक डा. सुनील कुमार ने बताया कि पेपर मिल में गेहूं की पराली का इस्तेमाल कागज बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन धान की पराली में सिलिका अधिक होने के कारण इससे कागज बनाने में दिक्कत आती है। इसलिए सिलिका को कम करने के लिए प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि पराली का प्रयोग अब न केवल कागज बनाने में किया जा सकेगा बल्कि बिजली पैदा किए जाने वाले थर्मल पावर प्लांट में प्रयोग



सम्मेलन के विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर एसपी खटकड़ को सम्मानित किया गया।

## समाधान में रसायन विज्ञान की अहम भूमिका

इंडियन थरमोडायनामिक्स सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. डीवीएस जैन ने कहा कि ऊर्जा, स्वास्थ्य, भोजन और पानी जैसी विश्वव्यापी समस्याओं से निपटने के लिए रसायन विज्ञान की अहम भूमिका है। इसके लिए शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी शोध पर और अधिक कार्य करना होगा।

किए जाने वाले कोयले के साथ भी पराली का प्रयोग किया जा सकता है। डा. सुनील गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के केमेस्ट्री विभाग

द्वारा 'ऑर्गेनिक्स, मैटलॉर्गेनिक्स एंड थरमोडायनामिक्स विषय पर आयोजित दो दिवसीय 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने आए थे। सम्मेलन में लगभग 15

## नैनोफासफोरस का हो सकता है बेहतर प्रयोग

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के केमेस्ट्री विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसपी खटकड़ ने नैनोफासफोरस पदार्थ के उपयोग को लेकर बताया कि नैनोफासफोरस पदार्थ का प्रयोग प्लाज्मा डिस्पले, एलईडी, बायोइमेजिंग, बायोसेंसरज, लेजरलाइट सहित विभिन्न ऊर्जा संरक्षक उपकरणों में किया जा सकता है। इंडियन थरमोडायनामिक्स सोसायटी के महासचिव प्रो. टीएस बैनीपाल ने कहा कि राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय की केमेस्ट्री विभाग की टीम का धन्यवाद किया।

विषय विशेषज्ञों ने विशेष व्याख्यान दिया और सात तकनीकी सत्रों में 18 से अधिक प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने 120 पोस्टर भी प्रस्तुत किए।

दैनिक जागरण - 19/11/17

## गुजवि में 27वें ओरिएंटेशन कोर्स के उद्घाटन समारोह में बोले वीसी

# शिक्षक कक्षा में नहीं जाता तो वह अपराध के समान

हरिभूमि न्यूज || हिसार

वक्त के साथ बदलती तकनीक शिक्षकों को भी अपनानी होगी, तभी वह अपने विद्यार्थियों को वर्तमान समय की तकनीक और ज्ञान से अवगत करा पाएंगे। यह बात गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 27वें ओरिएंटेशन कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि कही।

समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। प्रो. वंदना पूनिया व अनुराग सांगवान कोर्स कोर्डिनेटर हैं। कुलपति प्रो.



हिसार। गुजवि में ओरिएंटेशन कोर्स का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आगामी समय में शिक्षक की भूमिका भिन्न

होने वाली है। शिक्षण के तरीकों पर तकनीक का लगातार प्रभाव बढ़ रहा है। ऑनलाइन शिक्षण तकनीक लगातार जरूरी और लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि शिक्षक यदि कक्षा में नहीं जाता है तो वह अपराध के समान है। शिक्षक को नियमित रूप से कक्षाओं में जाना चाहिए तथा विद्यार्थियों को देश का जिम्मेदार नागरिक बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र तथा राज्य सरकार निरन्तर गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही हैं। शिक्षक इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। निदेशक प्रो.

नीरज दिलबागी ने कहा कि प्रतिभागी इस कोर्स को एक अवसर के रूप में लें। कोर्स के दौरान शिक्षकों को विभिन्न शिक्षण तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। कोर्स का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण के विभिन्न आयामों से अवगत कराने के साथ-साथ उन्हें एक निपुण शिक्षक बनाने में योगदान देना भी है। कोर्स कोर्डिनेटर प्रो. वंदना पूनिया ने बताया कि कोर्स में देश के विभिन्न भागों से 35 नवनियुक्त शिक्षक भाग ले रहे हैं। यह कोर्स चार सप्ताह तक चलेगा। इस मौके पर कोर्स कोर्डिनेटर अनुराग सांगवान, डा. संदीप कुमार आदि मौजूद थे।

हरिभूमि - 21/11/17



# गुजर्वि के पंकज का विप्रो में चयन

हिसार/23 नवंबर/रिपोर्टर  
गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिंसा के कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्र पंकज अग्रवाल का विप्रो सांफ्टवेयर कम्पनी में चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने छात्र पंकज अग्रवाल को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह जानकारी देते हुए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि

# शोधार्थी को लेखन कौशल में पारंगत होना चाहिए : दिलबागी

हिसार, 23 नवम्बर (का.प्र.): गुरुजम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि शोधार्थी वैज्ञानिक लेखन कौशल में पारंगत हो तथा भारतीय शोध को सर्वश्रेष्ठ प्रमाणित करें। प्रो. नीरज दिलबागी मानव संसाधन विकास केन्द्र में 'वैज्ञानिक लेखन कौशल' विषय पर शुरू हुई लघु अवधि कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. वन्दना पुनिया ने की। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि लेखन कौशल में पारंगत होना शिक्षकों के लिए अति आवश्यक है। नए ज्ञान का सृजन लेखन कला द्वारा ही हो सकता है। उन्होंने बताया कि यह कार्यशाला मानव संसाधन विकास केन्द्र के तत्वाधान में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत आयोजित किया जा रहा है। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ: के रूप में बैंगलोर के डा. के.पी. मधु व डा. गीता मधु भाग ले रहे हैं। विषय विशेषज्ञ: करंट साईंस रिसर्च नाम



गुजर्विप्रोवि हिंसा में शुरू हुई लघु कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी व प्रो. वन्दना पुनिया।

पब्लिकेशन हाउस से जुड़े हुए है, जोकि विज्ञान शोध के क्षेत्र में एक मील का पत्थर है। मानव संसाधन विकास केन्द्र की प्रो. वन्दना पुनिया ने स्वागत प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह तक चलने वाली लघु कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से आए 30 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शोधार्थियों में लेखन कला कौशल का निर्माण करना है। इस प्रयास से शोधार्थियों को शोध क्षमता में वृद्धि होगी तथा श्रेष्ठ शोध का सृजन होगा। कार्यशाला के को-आर्डिनेटर प्रो. भास्कर है। मानव संसाधन विकास केन्द्र के डा. अनुपम सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

बभ्रवारी - 20/11/17

पंजाब केसरी - 24/11/17

# ऑप्टिकल तकनीक के कारण आ रहा है बदलाव: लियोनेल

हिसार, 23 नवम्बर (का.प्र.): आई.आर.डी.ई., देहरादून के निदेशक बेंजामिन लियोनेल ने कहा है कि ऑप्टिकल तकनीक के कारण दुनिया में बड़े तेजी से बदलाव हो रहे हैं। स्वास्थ्य युद्ध तकनीक कौशल विकसित करने में ऑप्टिकल तकनीक बड़ी भूमिका निभा रही है। ऑप्टिकल तकनीक में शोध की अपार संभावनाएं हैं। बेंजामिन लियोनेल गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालय, हिंसा के भौतिकी विभाग के सौजन्य से ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 'एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' विषय पर शुरू हुए चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र के डा. सतीश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. आनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। आई.आर.डी.ई., देहरादून के निदेशक बेंजामिन लियोनेल ने कहा कि ऑप्टिकल तकनीक के कारण मानव जीवन में तेजी से बदलाव आ



गुजर्विप्रोवि हिंसा में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते आई.आर.डी.ई., देहरादून के निदेशक बेंजामिन लियोनेल व समारोह में उपस्थित शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी।



रहे हैं। संभव है आने वाले समय में मनुष्य केवल अपने साथ एक चिप लेकर चले। बाकी कुछ उसे लेकर चलने की जरूरत ही न हो। उन्होंने प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि किस प्रकार ऑप्टिकल तकनीक का युद्ध के मैदान में प्रयोग हो रहा है। उन्होंने युद्ध टैंकों मिसाइलों व सीमा सुरक्षाओं में प्रयोग हो रही ऑप्टिकल तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह तकनीक काफी उन्नत हो गई है, लेकिन इसको और अधिक उन्नत करने की जरूरत है। उन्होंने उन क्षेत्रों का जिक्र भी किया जिन क्षेत्रों में इस तकनीक को उन्नत किया जा सकता है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि

ऑप्टिकल तकनीक का प्रयोग मानव की भलाई में किया जाना चाहिए। युद्ध अब इतिहास बन जाने चाहिए, लेकिन सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑप्टिकल तकनीक को अन्य विज्ञानों की तकनीकों के साथ जोड़कर उपयोग में लाया जाना चाहिए। इसके और बेहतर परिणाम होंगे कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र के डा. सतीश कुमार ने कहा कि ऑप्टिकल तकनीक का प्रयोग स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रयोग होना चाहिए। ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डा. ए.के. गुप्ता ने ओ.एस.आई. की दृष्टि और गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी और उनको बढ़ावा देने की बात कही। सम्मेलन के संयोजक प्रो. देवेन्द्र मोहन ने स्वागत सम्बोधन किया। सम्मेलन में इजरायल के जीव जलेवस्काई, यू.एस.ए. के ए. लखटकिया, यूके के डेनियल फेसियो व स्पेन के पाब्लो अरटल जैसे प्रसिद्ध शिक्षाविद् विभिन्न तकनीकी सत्रों को सम्बोधित करेंगे। यू.एस.ए. के प्रो. विरेन्द्रा महाजन व पद्मश्री प्रो. आर.एस. सिरोही द्वारा दो विशेष व्याख्यान दिए जाएंगे। प्रो. देवेन्द्र मोहन बताया कि सम्मेलन के तकनीकी कार्यक्रम में 13 तकनीकी सत्रों तथा 4 व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन के तकनीकी अध्यक्ष प्रो. केहर सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम को तैयार किया गया है। सम्मेलन में चलने वाले 13 तकनीकी सत्र सैमीनार हॉल नंबर 1, 2 और 3 में तीन समानांतर चल रहे हैं। इनमें 32 आमंत्रित व्याख्यान व 90 से ज्यादा मौखिक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। इनमें से 170 पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए तीन पोस्टर सत्र निर्धारित किए गए हैं। धन्यवाद प्रस्ताव ओ.एस.आई. के सचिव प्रो. कलोल भट्टाचार्य ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, प्रो. कुलदीप बंसल, प्रो. सुजाता सांधी सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी - 24/11/17



# युद्ध तकनीक कौशल विकसित करने में 'ऑप्टिकल' की बड़ी भूमिका

गुजवि में शुरू हुआ एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय पर चार दिवसीय सम्मेलन

जागरण संवाददाता, हिसार : आइआरडीई देहरादून के निदेशक बेंजामिन लियोनेल ने कहा है कि ऑप्टिकल तकनीक के कारण दुनिया में बड़े तेजी से बदलाव हो रहे हैं। खासकर युद्ध तकनीक कौशल विकसित करने में ऑप्टिकल तकनीक बड़ी भूमिका निभा रही है। ऑप्टिकल तकनीक में शोध की अपार संभावनाएं हैं। ऐसी तकनीक भी तैयार हो रही है जिसमें एक लक्ष्य को निर्धारित कर उसकी भेदा जा सके।

इस तकनीक पर काम चल रहा है। वह गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के सोनजन से ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय पर शुरू हुए चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। एनआइटी कुरुक्षेत्र के डा. सतीश कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। इस दौरान एक स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

उन्होंने कहा कि ऑप्टिकल तकनीक के कारण मानव जीवन में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। संभव है आने वाले समय में मनुष्य केवल अपने साथ एक चिप लेकर चले। बाकी कुछ उसे लेकर चलने की जरूरत ही न हो। उन्होंने प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि किस प्रकार ऑप्टिकल तकनीक का युद्ध के मैदान में प्रयोग हो रहा है। उन्होंने युद्ध टैंकों मिसाइलों व सीमा सुरक्षाओं में प्रयोग हो रही ऑप्टिकल तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह तकनीक काफी उन्नत हो गई है, लेकिन इसको और अधिक उन्नत



अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते आईआरडीई, देहरादून के निदेशक बेंजामिन लियोनेल। जागरण

## 270 शोध पत्र होंगे प्रस्तुत

गुजवि में शुरू हुए सम्मेलन में विश्व के अलग-अलग देशों से 400 से अधिक शोधपत्र प्राप्त हुए थे। इसमें से 270 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। सम्मेलन के तकनीकी कार्यक्रम में दुनिया भर के प्रसिद्ध शोधकर्ताओं द्वारा विशेष एवं आमंत्रित व्याख्यान शामिल किए गए हैं। प्रो. देवेन्द्र मोहन बताया कि सम्मेलन के तकनीकी कार्यक्रम में 13 तकनीकी सत्रों तथा 4 व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन के तकनीकी अध्यक्ष प्रो. केहर सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम को तैयार किया गया है। इसमें 13 तकनीकी सत्र सेमिनार हॉल में तीन समानांतर चल रहे हैं। इनमें 32 आमंत्रित व्याख्यान व 90 से ज्यादा मौखिक प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। इनमें से 170 पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीन पोस्टर सत्र निर्धारित किए गए हैं।

करने की जरूरत है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऑप्टिकल तकनीक का प्रयोग मानव की भलाई में किया जाना चाहिए। एनआइटी कुरुक्षेत्र के डा. सतीश कुमार ने कहा कि ऑप्टिकल तकनीक का प्रयोग स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रयोग होना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि अगर वे नेक इरादा रखते हैं तो शोध के लिए संसाधन समस्या नहीं है। संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए देश व दुनिया में बहुत सारी संस्थाएं

उपलब्ध हैं। ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डा. एके गुप्ता ने ओएसआइ की इष्टि और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सम्मेलन के संयोजक प्रो. देवेन्द्र मोहन ने स्वागत संबोधन किया।

सम्मेलन में इजराइल के जीव जलेवस्काई, यूएसए के ए लखटकिया, यूके के डेनियल फेसियो व स्पेन के पाब्लो अरटल जैसे प्रसिद्ध शिक्षाविद विभिन्न तकनीकी सत्रों को संबोधित करेंगे। यूएसए के प्रो. विरेन्द्रा महाजन, पदमश्री प्रो. आरएस सिरौही दो विशेष व्याख्यान देंगे।

## मेडिकल में ऑप्टिकल की आई नई मशीनें मरीजों को होगा लाभ

जास, हिसार : ऑप्टिकल के जरिए मेडिकल क्षेत्र में काफी बेहतर सुविधाएं लाने की तैयारी है। इन सुविधाओं और मशीनों के बारे में गुजवि में एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय पर शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिकों ने जानकारी दी। सम्मेलन में इजराइल के वैज्ञानिक जीव जलेवस्काई की तरफ से लेजर के जरिए शरीर में बीमारी का पता लगाने की शोध प्रस्तुति की जाएगी। लेजर के साथ स्पेशल कैमरा लगा जो पूरी स्थिति बताएगा।

सम्मेलन में पहुंचे चंडीगढ़ के सीएसआइआर से राज कुमार ने अपने द्वारा तैयार की गई मशीनों की प्रस्तुति वैज्ञानिकों के समक्ष रखी। इसमें उनकी तरफ से शिक्षा में काम करते हुए इंट्रोमीटर के बारे में बताया जो छात्रों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है। इस मीटर के जरिए छात्रों को बेसिक जानकारी समझने में परेशानी नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि बाजार में भारत में बनी ऐसी मशीन आ रही है जिससे लेजर से किडनी में पथरी का होने वाले आपरेशन के दाम कम हो सकते हैं। आम आदमी को उसका सीधा लाभ मिलेगा।

दैनिक जागरण - 24/11/12

# विश्व के पहले कैमरे से फोटो खींचने में लगे थे तीन मिनट, अब लगे नैनोसेकंड

जीजेयू में एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय पर आयोजित सेमिनार में दूसरे दिन 70 शोध पत्र प्रस्तुत, सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतियों और पोस्टर पुरस्कृत

भारत न्यूज़ हिस्सा

जीजेयू में एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय पर चल रहे सेमिनार के दूसरे दिन की शुरुआत यूके की हेरॉयट ब्राद यूनिवर्सिटी, एडिनबर्ग के प्रो. डेनियल फेसियो ने की। प्रो. डेनियल फेसियो ने इमेजिंग विद सिंगल फोटोन कैमरा फंडामेंटल्स एंड एप्लीकेशंस विषय पर फोटोग्राफी के शुरुआती इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि 1826 में पहले कैमरे का आविष्कार हुआ था।

जिससे फोटो लेने में तीन मिनट का समय लगता था। जबकि आज नैनोसेकंड में फोटो ली जा सकती है। नैनोसेकंड के अंदर आधुनिक छवि को लक्षित करने की घटना के नियंत्रण के संबंध में उन्होंने सीएमओएस से सिंगल फोटोन कैमरा की तकनीक के बारे में बताया। उन्होंने कहा की

सीएमओएस तकनीक ने एक नई पीढ़ी के कैमरे प्रदान किए हैं। उन्होंने बताया कि एक मुखिल वस्तु के सटीक आकार को पुनः प्राप्त करना संभव है।

इस अवसर पर वीसी के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. स्नेहलता, गोयल, सम्मेलन के संयोजक प्रो. देवेन्द्र, सह-संयोजिका प्रो. सुजाता सांभी, सचिव डॉ. अजय शंकर, ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अधिकारीगण, विभाग के शिक्षक व प्रतिभागी उपस्थित थे। होलोग्राफी माइक्रोस विषय पर चर्चा की गई। सेल की उड़ी इमेजिंग के लिए डिजिटल होलोग्राफी के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके बाद पोस्टर के माध्यम से 70 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतियों एवं पोस्टर को पुरस्कृत किए गए।



जीजेयू में ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुतियों के दौरान

## धर्मल इमेजिंग कैमरे से अंधेरे में 40 किमी तक हो सकेगी दुश्मन की पहचान

हिसार : आने वाले समय में सेनाकर्मियों अंधेरे में भी 40 किलोमीटर क्षेत्र तक दुश्मन की पहचान कर सकेंगे। यह सब संभव हुआ है आईआरडीई द्वारा बनाए गए धर्मल इमेजिंग कैमरे से। यह जानकारी जीजेयू में ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय

पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आईआरडीई साइटस्ट नीरज पांडे दी। उन्होंने बताया कि इस कैमरे के माध्यम से किसी व्यक्ति की पहचान अंधेरे में भी की जा सकती है। कैमरे का ट्रायल किया जा चुका है। जो सफल हो चुका है। कुछ

औपचारिकताओं के बाद इन्हें सेना के हथियार बनाए जाएंगे। नाइट विजन इन्फ्रारेड लेजर तकनीक के माध्यम से किया जा सकता है। इस तकनीक के माध्यम से शरीर पर लेजर डाली जाती है जो शरीर को हार बीट, ब्लड सर्कुलेशन को जांचती है।

मेलानोमा व ग्लूकोमा जैसी बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। यह अल्ट्रासोनिक लेजर तकनीक के माध्यम से किया जा सकता है। इस तकनीक के माध्यम से शरीर पर लेजर डाली जाती है जो शरीर को हार बीट, ब्लड सर्कुलेशन को जांचती है।

दैनिक भास्कर - 25/11/12



## गुजवि में 'एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' विषय पर सम्मेलन

# मानव आंख एक सरल ऑप्टिकल प्रणाली : प्रो. पाबलो अरटल

हरिगुणि न्यूज | हिंसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में 'एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' विषय पर चल रहे चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन स्पेन स्थित यूनिवर्सिडाड डी मर्सिया के प्रो. पाबलो अरटल ने व्याख्यान दिए। प्रो. पाबलो ने 'एडवेंटेड ऑप्टिक्स फॉर ए वैटर विजन' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने आंखों से सम्बंधित बीमारियों के समाधान में एडवेंटेड ऑप्टिक्स के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानव आंख एक सरल ऑप्टिकल प्रणाली है, लेकिन हमारे विजुअल सिस्टम की जरूरतों के अनुकूल है। एक बेहतर ऑप्टिकल ज्ञान से दृष्टि सुधारने के लिए नए तकनीकी समाधान विकसित हुए हैं। उन्होंने आंख के मुख्य ऑप्टिकल गुणों की समीक्षा की और बताया कि कैसे वह हमारी दृष्टि क्षमताओं को प्रभावित करते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में हाल ही में प्राप्त किए परिणाम भी प्रस्तुत किए। प्रो. पाबलो ने कहा कि एडवेंटेड ऑप्टिक्स जैसी नवीनतम तकनीक के माध्यम से आंखों की बीमारियों के लिए एक लागत प्रभावी समाधान मौजूद समय की जरूरत है। आईआईटी के प्रो. जोबी जोसेफ ने 'फेज

कंट्रोल इंटरफियर्स लियोग्राफी : एन इफ्लिक्ट टूल फॉर लार्ज एरिया फेब्रिकेशन ऑफ नैनो-फोटोनिक स्ट्रक्चर' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि जटिल फोटोनिक संरचनाओं का निर्माण कई अनुप्रयोगों जैसे फोटोनिक सर्किट, फोटोनिक डिवाइस, लाइट निष्कर्षण, ऑप्टिकल चिप, बायोसेंस, मेटामेटेरीज आदि के लिए किया जा सकता है। ईडियन इंस्टीच्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, पूर्ण के जीवी पवन कुमार ने 'नैनोवायर प्लासमोनिक्स : फोल्ड इनहांसमेंट एंड डायरेक्शनलिटी' विषय पर चर्चा की। सीएसआईआई चण्डीगढ़ के निदेशक प्रो. आरके सिन्हा ने फोटोनिक क्रिस्टल आधारित नैनोफोटोनिक उपकरणों पर व्याख्यान दिया और फोटोनिक क्रिस्टल के बारे में मूल जानकारी दी।

समारा नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी रूस के प्रो. एंटोन नलीमोव ने 'मेटलसिज विद हाई न्यूमेरिकल एपचर' इन एमोरफस सिलिकॉन' पर चर्चा की। महिन्द्रा इकोल सेंट्रल हैदराबाद की दीबाकर राय चौधरी ने 'पनालाईजिंग द नीयर फोल्ड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कपलिंग इन टेरहर्ट्ज मेटामेटेरीयल्स' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि नीयर फोल्ड



हिंसार। गुजवि में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रस्तुति देते प्रतिभागी।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कपलिंग विभिन्न टेरहर्ट्ज मेटामेटेरीयल्स संरचनाओं में क्षेत्र में अहम भूमिका निभाती है। ऑप्टिकल वेवगाइड सत्र में इडियन इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी के सुनील खिजवानिया ने 'ऑप्टिकल फाइबर सेंसर की संवेदनशीलता ट्यूनेबिलिटी और

मल्टी-डायमेंसेनलिलीटी ऑफ ऑप्टिकल फाइबर सेंसर फॉर स्ट्रक्चरल हेल्थ मोनिटरिंग' पर अपने विचारों साझा किए। उन्होंने बताया कि ऑप्टिकल फाइबर सेंसर एक अभिन्न समाधान के रूप में उभरा है। चीन के चाईनीज एकेडमी ऑफ साइंसिज के शंघाई इंस्टीच्यूट ऑफ ऑप्टिक्स एंड

फाइन मैकेनिक्स शंघाई के गुहाई सीटू ने 'वाइड फील्ड ऑफ व्यू इमेजिंग थ्रू स्केट्रनिंग मीडिया यूजिंग पीटीओग्राफी' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने गहन शिक्षा का उपयोग करने वाले घोस्ट इमेजिंग तकनीक पर विस्तार से समझाया। सैतामा यूनिवर्सिटी जापान के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग के एच कडोने ने 'हाइली सेंसिटिव ऑप्टिकल इंटरफेरोमेट्रिक टेक्निक रीवील्स इनवायर्मेंटल स्ट्रेस डिपेंडेंट इंस्टेनियस नैनोमेट्रिक ग्रीय फलक्चुरेशन्स ऑफ प्लांट' पर चर्चा की। आईआईटी पटना के प्रो. नवीन के निखल ने 'सूचना ऑप्टिक्स से संबंधित विषय पनकोडिंग के माध्यम से सूचना सुरक्षा धुविकरण' पर चर्चा की।

यह रहे मौजूद : कार्यक्रम में विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, फिजिक्स विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. स्नेहलता गोवाल, प्रो. आशोक अग्रवाल, प्रो. राजेन्द्र कुंडू, प्रो. राकेश धर, डा. रवि भाटिया, डा. रंजीत, डा. रमेश, डा. विवेक, डा. हरदेव, डा. नीतू अहलावत, इंजीनियर सरदूल सिंह, इंजीनियर विनीता, डा. डेविड, प्रो. देवेन्द्र मोहन, प्रो. सुजाता सांघी, डा. अजय शंकर, ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अधिकारी अदि मौजूद थे।

हरिगुणि - 26/11/17

## जीजेयू में एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 11 शोधकर्ताओं को मिले पुरस्कार

जीजेयू के जोगेन्द्र सिंह दूबे को मिला सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, चार दिन तक चले सम्मेलन में 9 देशों के 400 प्रतिनिधियों ने लिया हिंसार

भास्कर न्यूज | हिंसार

जीजेयू के केमिस्ट्री विभाग व ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 'एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' विषय पर आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। सम्मेलन में विभिन्न शोधकर्ताओं को 11 अलग-अलग पुरस्कार दिए गए। ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका द्वारा कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता के जयन्ते बनर्जी को सर्वश्रेष्ठ मौखिक पुरस्कार दिया गया। ओएसआई द्वारा जयन्ते बनर्जी को सी डॉलर की राशि व प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। ऑप्टिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पांडिचेरी के नमिता सीवी, आईआईटी मद्रास के परिमल साहा तथा आईआईटी रुड़की की कविता यादव को सर्वश्रेष्ठ मौखिक तथा आईआईटी दिल्ली के सुराशत कुमार, आईआईटी गुवाहाटी के एसएस गौतम बुद्ध तथा जीजेयू के रमेश कुमार को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार दिए गए। इंस्टीच्यूट ऑफ नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी मोहाली के सोमाट्री सोमाता तथा आईआईटी रोपड़ के अनिल कुमार को सर्वश्रेष्ठ मौखिक तथा जीजेयू के जोगेंद्र सिंह तथा आईआईटी दिल्ली के



'एडवांसिज इन ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स' विषय पर हुए चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. टंकेश्वर, ओएसआई के अध्यक्ष डॉ. एके गुप्ता व अन्य।

अतुल कुमार दूबे को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार दिए गए।

**170 पोस्टर प्रस्तुतियां हुईं**

सम्मेलन के संयोजक प्रो. देवेन्द्र मोहन ने स्वागत संबोधन किया और सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के तकनीकी कार्यक्रम में 13 तकनीकी सत्रों तथा

4 व्याख्यान का आयोजन किया गया। सम्मेलन में चलने वाले 13 तकनीकी सत्रों के लिए सेमिनार हॉल नंबर 1, 2 और 3 को समानांतर चलाए गए। इनमें 32 आमंत्रित व्याख्यान व 90 से ज्यादा मौखिक प्रस्तुतियां दी गईं। सम्मेलन के दौरान 170 पोस्टर प्रस्तुतियां दी गईं, जिसके लिए विशेष रूप से तीन पोस्टर सत्र निर्धारित किए

गए हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चार दिवसीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए विभिन्न नवीनतम शोध विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर ओएसआई के अध्यक्ष डॉ. एके गुप्ता भी उपस्थित रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए ने कहा कि सम्मेलन में भाग लेना और पेपर व पोस्टर प्रस्तुत करना ही नहीं है।

**5जी इंटरनेट सेवा देने के लिए हो रही रिसर्च**

हिंसार. जीजेयू में आयोजित ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स विषय के समापन पर फोटोनिक्स व इलेक्ट्रोनिक्स कोऑर्डिनेशन से होले वाले क्वार्टर में बारे में बताया गया। आईआईटी मद्रास से आए प्रो. वीके दास ने बताया कि इलेक्ट्रोनिक्स सिग्नल को सिलिकॉन फोटोनिक्स में कंट्रोल करने की रिसर्च की जा रही है। इसमें इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने पर रिसर्च हो रही है। मौजूदा समय में भारत में 4 जी इंटरनेट की सेवाएं दी जा रही हैं। लेकिन आने वाले समय में 5 जी से लेकर 7 जी की सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

**यह रहे उपस्थित**

इस अवसर पर वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ओएसआई के अध्यक्ष डॉ. एके गुप्ता, प्रो. अजय शंकर, प्रो. इनामी शर्मा, प्रो. हरि प्रकाश, प्रो. वीके दास, प्रो. नवीन विश्वल, प्रो. वीपी शिवादी, प्रो. स्नेहलता गोवाल, प्रो. आशीष अग्रवाल, प्रो. राकेश धर, प्रो. राजेन्द्र कुंडू, डॉ. नीतू अहलावत, डॉ. रणजीत सिंह, डॉ. विवेक, डॉ. हरदेव, डॉ. रवि, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. डेविड, इंजीनियरिंग सरदूल सिंह अन्व शिक्षक उपस्थित थे।

दृष्टिक भास्कर - 27/11/17